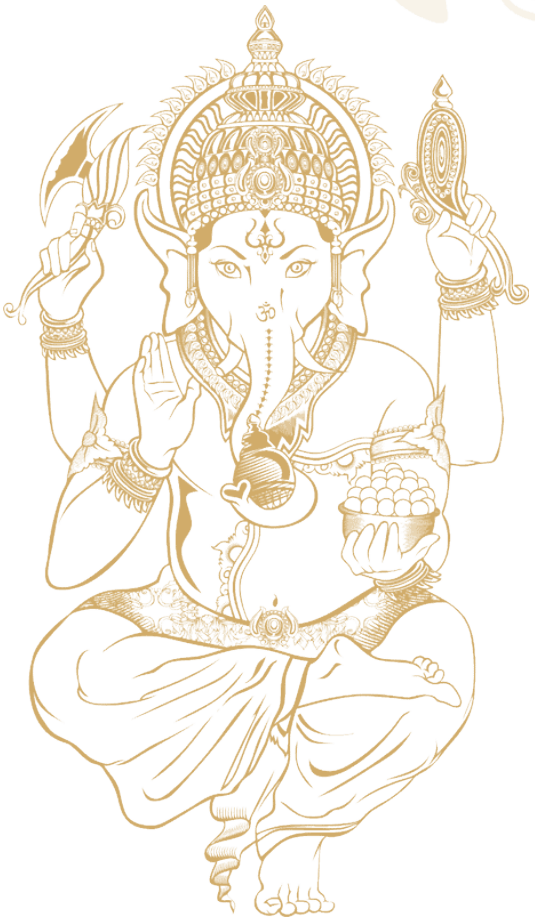

Mohit

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121055703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	01/01/1998
बुध-गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	10:07:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	07:07:24 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Jaipur Rly Station
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	07:16:02
18:35:28	सूर्यास्त	17:44:40
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि		22:47:35	धनु	लग्न	कुंभ	03:10:56	चन्द्र 3वर्ष 4मा 5दि	
चन्द्र		01:02:05	मीन	सूर्य	धनु	16:43:31	राहु	
04/02/2017		16:04:14	सिंह	चंद्र	मक	18:52:11	07/05/2008	
05/02/2027		19:51:39	कर्क व	मंगल	मक	17:05:23	08/05/2026	
चन्द्र	06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	वृश्चि	24:45:44	राहु	19/01/2011
मंगल	07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु	मक	28:27:36	गुरु	13/06/2013
राहु	06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र व	मक	09:31:45	शनि	19/04/2016
गुरु	07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि	मीन	19:56:00	बुध	07/11/2018
शनि	06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु व	सिंह	18:29:32	केतु	25/11/2019
बुध	06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	कुंभ	18:29:32	शुक्र	25/11/2022
केतु	06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष	मक	13:18:06	सूर्य	20/10/2023
शुक्र	06/08/2026	01:15:20	मक	नेप	मक	05:07:20	चन्द्र	19/04/2025
सूर्य	05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:56:34	मंगल	08/05/2026

लग्न-चलित

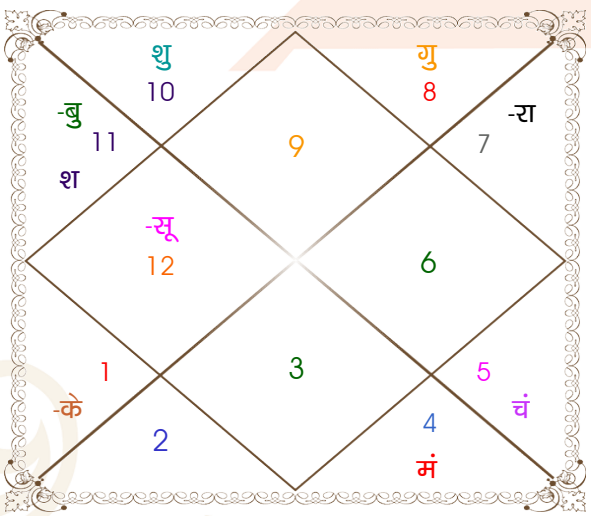

लग्न-चलित

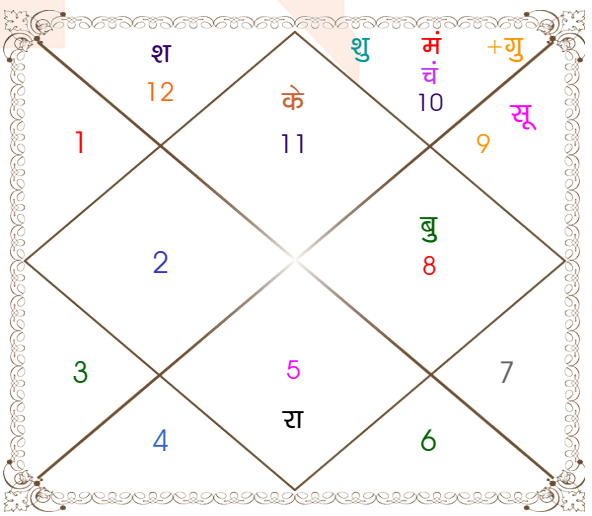

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डवीपज का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डवीपज और B का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डवीपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डवीपज कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र B कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डवीपज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डवीपज तथा B में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।